



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 5 नवम्बर, 2004/14 कार्तिक, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

शिमला-171001, 27 अक्टूबर, 2004

संख्या पी सी एच-एस एम एल (रिक्त पद) 8/2003-11565-11569. — यह कि खण्ड विकास अधिकारी रामपुर तथा पंचायत सहायक ग्राम पंचायत बड़ाच की रिपोर्ट अनुसार श्रीमती ऊषा देवी सदस्य वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत बड़ाच का देहान्त दिनांक 8-9-2004 को हो चुका है और खण्ड विकास अधिकारी रामपुर ने पत्र संख्या 3053, दिनांक 11-10-2004 के अन्तर्गत सदस्य पद, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत बड़ाच को रिक्त करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (4) के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत बड़ाच का सदस्य पद, वार्ड नं० 3 को रिक्त घोषित करता हूँ।

शिमला-2. 27 अक्तूबर, 2004

संख्या एस0 एम0 एल0-जैड0 पी0-1703-1707. —यह कि श्री बिहारी लाल सेवगी, जिला परिषद् सदस्य शिमला ने 20-7-2002 की जिला परिषद् शिमला कि बैठक में प्रस्ताव संख्या-7 द्वारा यह मामला उठाया कि श्री बहादुर दास डोगरा, प्रधान, ग्राम पंचायत कूट द्वारा अवैध रूप से प्राथमिक पाठशाला, किन्फी व सुरू की पाठशाला भवनों को गिरा कर किसी अन्य स्थान पर नये भवनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा जिस कार्य हेतु धन राशि स्वीकृत की गई थी उसे उन पर व्यय न करके अन्य कार्यों पर खर्च करते हुये अनियमितता बर्ती जा रही है। इस प्रस्ताव पर जिला परिषद् द्वारा श्री कुशल राज, पूर्व अध्यक्ष, शिक्षा एवं स्वास्थ्य स्थाई समिति की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था, इस समिति को छान बीन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु कहा गया था। उक्त कमेटी द्वारा दिनांक 7-11-2002 को मौका पर छानबीन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उक्त जांच रिपोर्ट अनुसार पाया गया है कि श्री बहादुर दास डोगरा, प्रधान, ग्राम पंचायत कूट, गांव सुरू, डाकखाना क्यू 15/20, तहसील रामपुर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश को अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करने व सरकारी धनराशि का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया है। जांच रिपोर्ट के अन्वयान से जो अनियमिततायें सामने आई हैं, उनका व्यौरा निम्न प्रकार से दिया जा रहा है :—

1. यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत कूट द्वारा प्राथमिक पाठशाला किन्फी के दो कमरे जो वर्ष 1986-87 में बनाये गये थे, जिन्हें बने केवल 15 वर्ष हुये थे और तीसरा कमरा जिसका निर्माण वर्ष 1993-94 में किया गया था और उसे बने केवल 8 वर्ष हुये थे गिरवा दिया गया और उस जगह निर्माण न कर दूसरी जगह निर्माण कार्य दो कमरों का आरम्भ किया गया। परन्तु तीन कमरों को गिराने वाले पंचायती राज वित्त नियम 1975, व 2002 में दिये गये प्रावधान अनुसार कार्यवाही नहीं की गई। गिराये गये कमरों का मूल्यांकन नहीं करवाया गया और न ही कमरों को गिराने वाले सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व अनुमति ली गई। यही अनियमिततायें प्राथमिक पाठशाला सुरू तीन कमरों के भवन को गिराने में बर्ती गई हैं।
2. यह कि प्रधान ग्राम पंचायत ने प्राथमिक पाठशाला किन्फी ने पुराने तीनों कमरों को गिराने से पत्थर आवश्यक मात्रा में उपलब्ध थे। जिन्हें दो कमरों के निर्माण में प्रयोग किया गया है परन्तु फिर भी पत्थर तुड़ान पर वाउचर संख्या 29, 43, 70 व 84 अनुसार मु0 9870.00 रुपये का व्यय किया गया है, जो सही नहीं है और राशि का दुरुपयोग हुआ है।
3. यह कि उक्त प्रधान, ग्राम पंचायत कूट ने वाउचर संख्या 52 में मु0 4560.00 रुपये चादरों की दुलान बंधाल से किन्फी तक का व्यय दर्शाया है जो सही प्रतीत नहीं होते हैं, क्योंकि यदि एक मजदूर बंधाल से किन्फी 2 शीट चादरें ले जाये और उसे मु0 125.00 रुपये प्रति दिन मजदूरी दी जाये जो निर्धारित दरों से अधिक है तो मात्र 52 शीट चादर की 26 दिनों की दुलाई मु0 3250.00 रुपये बनती है और दी गई राशि मु0 1310.00 रुपये अधिक है, जो अनियमित है।
4. यह कि उक्त प्रधान ग्राम पंचायत कूट ने इस निर्माण कार्य पर मजदूरों को निर्धारित दरों से कम राशि मु0 51.00 रुपये प्रति दिन मजदूरी दी गई है, जबकि दिनांक 1-8-2001 से मजदूरी 55.00 रुपये प्रति दिन निर्धारित हो गई थी।
5. यह कि उक्त प्रधान ग्राम पंचायत कूट ने वाउचर संख्या 83 अनुसार मिमेंट के दुलान के मु0 1200.00 रुपये दर्शाये हैं, जबकि वाउचर संख्या 19 द्वारा 80 वर्ग फीट जांच दिनांक तक निर्माण स्थल तक नहीं पहुँचाये गये थे। अतः उपरोक्त वाउचर अनुसार की गई अदायगी अनियमित है।
6. यह कि उक्त प्रधान ग्राम पंचायत कूट ने जिस स्थान पर नये भवन का निर्माण किया है, उस भूमि का अधिग्रहण न तो ग्राम पंचायत द्वारा किया गया है और न ही खण्ड विकास कार्यालय द्वारा इस बारे कोई कार्यवाही की गई है। यह भवन मलकियती भूमि पर बनाया गया है, जिस बारे श्री भगत राम, श्रीमती फिण्डी देवी व श्री सुरत राम, ग्राम निवासी किन्फी ने आपत्ति जताई है।

7. यह कि ग्राम पंचायत कूट ने प्रस्ताव संख्या-13, दिनांक 7-4-2002 को पारित किया कि प्राथमिक पाठशाला किन्फी व क्याव को उखाड़ने की स्वीकृति लेने हेतु प्रस्ताव की प्रतिलिपि खण्ड विकास अधिकारी व खण्ड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी रामपुर को भेजी थी, परन्तु इन अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार की स्वीकृति नहीं दी गई थी। उप-शिक्षा निदेशक (प्राथमिक) के कार्यालय पत्र संख्या-शिक्षा-शिमला (प्रा०) 2-3 (वी) 16-8/2002-3031-33, दिनांक 7-10-2002 द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि प्रधान प्रदत्त शक्तियों के अधीन पाठशाला भवन के गिराने व बनाने का कार्य करे, जिसमें अनियमितता बर्ती गई है।
8. यह कि प्रधान ग्राम पंचायत कूट के वाउचर संख्या-44, 53 व 81 द्वारा क्रमशः $101 + 74 + 190 = 365$ फुट रेत का ढ़लान दर्शाया गया है, लेकिन भवन निर्माण स्थान पर न तो 365 फुट रेत है तथा न ही भवन में रेत व सिमेंट का इतना कार्य हुआ है। प्रयोग किये गये रेत का आकलन 30 बैग से अधिक प्रतीत नहीं होता है। निर्माण कार्य में पत्थरों की चिनाई की गई है और चिनाई का कार्य निम्न स्तर का हुआ है। सारी चिनाई एवं छत में प्रयोग लकड़ी पुरानी लगाई गई है, जबकि लकड़ी की विभिन्न प्रस्तावों में सड़ गई दर्शाया है।
9. यह कि वर्ष 1998 में राजकीय माध्यमिक पाठशाला/प्राथमिक पाठशाला सुरू के 3 कमरों की मुरम्मत हेतु 35000.00 रुपये स्वीकार हुये थे, परन्तु ग्राम पंचायत ने इन तीन कमरों की मुरम्मत न करते हुये गिरा दिया और पाठशाला परिसर के बाहर इस राशि से 2 कमरे सामुदायिक केन्द्र व आंगनवाड़ी के भवन बनाये। भवन गिराने बारे नियमानुसार कार्यवाही नहीं की गई। जांच के दौरान प्रधान ग्राम पंचायत, पाठशाला के कर्मचारियों व खण्ड विकास अधिकारी द्वारा राशि को मुरम्मत के बजाये दो कमरों के निर्माण वाले कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये।
10. यह कि वाउचर संख्या 149 अनुसार 80 बैग सिमेंट व 3-2-500 किलोग्राम सरिये का किराया ट्रक नं० एच० पी० एस०-8191 द्वारा मु० 1800.00 रुपये रामपुर में बंधाल (ज्यूरी) का सही प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि रामपुर से बंधाल ज्यूरी मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर है। 30 किलोमीटर ट्रक का किराया मु० 1800.00 रुपये गनपत राम प्रेम चन्द रामपुर बुगहर के क्रेडिट मैमों संख्या 17961, दिनांक 20-6-2002 द्वारा दिया गया सही व उचित नहीं है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि श्री बहादुर दास डोगरा, प्रधान, ग्राम पंचायत कूट, ग्राम मुक्त, डाकखाना क्यू 15/20, तहसील रामपुर, विकास खण्ड रामपुर ने अपने कर्तव्यों व शक्तियों का निर्वहन हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत नहीं किया है और सरकारी धन राशि के प्रयोग करने में अनियमितता बर्ती है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम 142 (1) (क) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बहादुर दास डोगरा, प्रधान, ग्राम पंचायत कूट, तहसील रामपुर, जिला शिमला को इस आशय से कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि वह इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना स्पष्टीकरण खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर के माध्यम से इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, अन्यथा यह समझा जावेगा कि उसे इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा उसके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा के अन्तर्गत कार्रवाई की जायेगी।

एस० के० बी० एस० नेगी,
उपायुक्त,
शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)।

